भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 194
उत्तर देने की तारीख 03 फरवरी, 2025
14 माघ, 1946 (शक)

आगामी ओलम्पिक और पैरालिम्पिक्स खेलों के लिए कार्यनीतिक योजनाएं

194. श्री कोडिकुन नील सुरेश:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हाल ही में ओलम्पिक और पैरालिम्पिक्स में प्रशिक्षण, कोचिंग, अवसंरचना और अंतरराष्ट्रीय अनुभव पर किए गए व्यय सहित भारत की भागीदारी के लिए आबंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ख) ओलम्पिक और पैरालिम्पिक्स की तैयारी में विभिन्न खेल संघों और खिलाड़ियों के बीच निधियां वितरित करने के लिए क्या मानदंड और प्रक्रिया अपनाई जाती है;

(ग) इन कार्यक्रमों के लिए वित्तपोषण और तैयारी प्रक्रिया में किन विशिष्ट चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और क्या कार्यकुशलता और सहायता में सुधार करने के लिए कोई सुधारात्मक उपाय कार्यान्वित किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की प्रशिक्षण सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए वित्तपोषण की अनुमानित आवश्यकता सहित आगामी ओलम्पिक और पैरालिम्पिक्स के लिए कोई कार्यनीतिक योजना है और उभरते हुए एथलीटों को सहायता प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ङ) अगले ओलम्पिक और पैरालिम्पिक्स खेलों में पदक परिणामों के लिए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ङ) महोदय, ओलंपिक और पैरालिंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं की तैयारी एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय विभिन्न स्कीमों, जैसे राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम और टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के माध्यम से भारतीय खिलाड़ियों/टीमों को सहायता प्रदान करता है।

ओलंपिक, पैरालिंपिक आदि जैसे मेगा-स्पोर्ट्स स्पर्धाओं सहित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों/टीमों को तैयार करने के लिए प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन, कोच और विदेशी कोचों सहित सहायक कर्मियों से संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) की स्कीमों/प्रस्तावों पर वार्षिक प्रशिक्षण और प्रतियोगिता कैलेंडर (एसीटीसी) बैठकों में विचार-विमर्श किया जाता है और उन्हें अंतिम रूप दिया जाता है। इसके साथ ही, टॉप्स के तहत प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जाता है और मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) द्वारा मामला-दर-मामला आधार पर उन्हें मंजूरी दी जाती है, और मंजूरी मिलने पर, एथलीटों को उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भागीदारी की सुविधा के लिए सीधे धनराशि वितरित की जाती है।

ओलंपिक 2024 के लिए, एथलीटों को कोचिंग शिविर, अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भाग लेने आदि की सुविधाएं प्रदान की गईं , जिसके लिए विभिन्न सरकारी स्कीमों और सार्वजनिक एवं कॉर्पोरेट क्षेत्र से सीएसआर फंडिंग के माध्यम से लगभग 470 करोड़ रुपये की राशि वित्त पोषित की गई।

पैरालिम्पिक्स 2024 के लिए, लगभग 74 करोड़ रुपये की कुल धनराशि का उपयोग एथलीटों की तैयारी और भागीदारी के लिए किया गया, जिसमें ट्रैनिंग और कोचिंग, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन और प्रतियोगिताएं, खेल अवसंरचना के विकास जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) अपने साई केंद्रों में अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन करता है। पिछले पांच वर्षों में, साई केंद्रों की अवसंरचना और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 533.55 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जहाँ विभिन्न खेलों के ओलंपिक जाने वाले एथलीट कोचिंग लेते हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024 के समापन के बाद , निम्नलिखित सीखें सामने आई हैं:

- एनएसएफ द्वारा एथलीटों के चयन हेतु स्पष्ट नीति और कोचिंग स्कीम की आवश्यकता।
- मजबूत घरेलू प्रतिस्पर्धा संरचना के माध्यम से प्रतिभा की पहचान।
- खेल प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए खेल विज्ञान का एकीकरण।
- कोचों और तकनीकी अधिकारियों का विकास और उनकी दक्षताओं में सुधार करना।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारतीय ओलंपिक संघ सहित एनएसएफ और साई आगामी अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं, जिनमें ओलंपिक और पैरालिंपिक शामिल हैं, के लिए टीमों और खिलाड़ियों की तैयारी के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं, कोचिंग, उपकरण सहायता और पौष्टिक आहार प्रदान करने के लिए परस्पर समन्वय में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही, सरकार ने समग्र खेल पारिस्थितिकी तंत्र में खेल विज्ञान को बेहतर ढंग से एकीकृत करने के लिए नई दिल्ली में राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) की भी स्थापना की है।

*****